

तीन से चार घंटे प्रदूषण से संपर्क बच्चों के लिए घातक

जई दिल्ली | प्रदूषण संवाददाता

बच्चों को सांस की बीमारी से घबराता है तो इस बात पर गौर करें कि स्कूल जान के लिए बच्चा किस वाहन का इस्तेमाल करता है। एक अध्ययन में देखा गया कि 92 प्रतिशत स्कूल जाने वाले बच्चे असुरक्षित स्कूल बसों का प्रयोग करते हैं या फिर वाहक द्वारा उन्हें स्कूल छोड़ा जाता है। ऐसा करने द्वारा जाने अंगाने बच्चे रोजाना तीन से चार घंटे प्रदूषण के संपर्क में आते हैं। जिसका लंबा असर उनकी सांस संबंधी प्रणाली पर पड़ता है।

खल्लाभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट के।

स्वसन सेम विभाग के डॉ. राजकुमार ने बताया कि केवल तीन प्रतिशत ही बच्चे सुरक्षित वाहनों से स्कूल पहुंच रहे हैं। जिसमें बच्चों के माता पिता उन्हें स्कूल छोड़ने जाते हैं।

हीन पार्जेंटेशन के डॉ. अंतिम कौल ने बताया कि दिल्ली में किए गए अध्ययन के अनुसार 48 प्रतिशत अभिभावक कभी अपने बच्चों की प्रदूषण जांच नहीं करते। जबकि 12 प्रतिशत ने कहा कि हर बार वातावरण पुलिस के मौक़े पर ही उन्होंने प्रदूषण जांच का स्टिकर बदला। अध्ययन में यह भी देखा गया कि बच्चों को स्कूल में खाने हुए 86 प्रतिशत रैड लइट पर ड्रिवन बंद नहीं करते।



92% बच्चे दिल्ली के खुले सड़कों में जाते हैं स्कूल | **03** प्रतिशत ही सुरक्षित वाहनों से जा रहे स्कूल

गैज एलर्जिक

इसे क्रॉनिक अस्यमा कहते हैं, एक विशेष तरह का जिन जन्म से ही केफरों के नसियों में संकुचन की कजह ही सकता है। इन मरीजों को दवाओं के साथ ही इलेहन भी दिया जाता है। बवाह के लिए ऐसे मरीजों को ऐसी जगहों पर जाने से मना किया जाता है, जहां वायुमयन का स्तर सामान्य हो कम हो।

वटा है अस्यमा एलर्जिक

इसमें बीमारी के इलाक़ मरीज को कुछ विशेष तरह की चीजों से एलर्जिक होती है, ओवरजीजन स्तर कम होने, धूल, धूप या फिर सांक्षित चीज खाने से इन लोगों को सांस लेने में

एकमात्र से बचने के उपाय

- बच्चों के आसपास कभी रिमोट न पें।
- घर में धूलनु जामदारी से भी हो सकता है रजस।
- यदि एलर्जी है तो पूजा की धूप व धूम्रों को न जलाए।
- रंग रंगन व जर्निस करके समरा रत्ने विशेष ध्यान।
- अधिक भूषा जैसा जैसी व संरक्षित रजस सामग्री नही लें।
- फूल एलर्जी भी अस्यमा की रजस हो सकती है।

सकरीय होती है। एलर्जिक अस्यमा में हालांकि अटक का खतरा कम होता है। बावजूद इसके ऐसे मरीजों को बवाह के लिए एटी इम्युनेटरी दवाएं दी जाती हैं।

5th May 2015
Hindustan (Delhi Edition)